www.dainikjayantnews.com
देहरादून
शुक्रवार : 4 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 119 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

# पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं

## तलाक केस में मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी, गुजारा भत्ता देने के निर्देश

### कहा-'वोडाफोन डॉग' की तरह पीछे चलने की उम्मीद नहीं कर सकते

**चेन्नई (एजेंसी)।** मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश

दिया। पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई। 2014 में पति ने शिवगंगा के फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की।

## हाईकोर्ट ने माना-रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी

पति-पत्नी करीब 16 सालों से अलग रह रहे थे और पत्नी की ओर से पति के पास लौटने की कोई औपचारिक कोशिश भी सामने नहीं आई। समझौते की संभावना तलाशने के लिए हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से बातचीत की, मगर बात नहीं बन सकी। हाईकोर्ट ने माना कि रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी है। दोबारा साथ आने की संभावना नहीं बची। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का संदर्भ देते हुए कहा कि लंबे समय तक अलग रहना, वैवाहिक जीवन का खत्म हो जाना और रिश्ते का पूरी तरह टूट जाना परिस्थितियों के आधार पर मानसिक क्रूरता के दायरे में आ सकता है। इसके बाद अदालत ने तलाक की मंजूरी दे दी।

## पति ने पत्नी पर अवैध संबंध के भी आरोप लगाए थे

पति ने अपनी तलाक याचिका में आरोप लगाया था कि पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने अवैध संबंध के आरोप को स्वीकार नहीं किया। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस एमडी सुमति की बेंच ने कहा कि जिस व्यक्ति को पत्नी का प्रेमी बताया गया था, उसे मामले में पक्षकार ही नहीं बनाया गया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोप में प्रेमी को भी मामले में शामिल करना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर अवैध संबंध के आधार पर लगाया गया आरोप टिक नहीं सकता।

## लक्सर में दरिंदगी, धार्मिक आयोजन में गई नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, तीन आरोपी गिरफ्तार

रूड़की। कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। धार्मिक आयोजन के दौरान चार आरोपी 14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर जंगल की ओर ले गए। आरोप है कि युवकों ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी के परिजनों की शिकायत पर पॉक्सो सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

लक्सर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रात को धार्मिक आयोजन था। किशोरी भी आयोजन में गई थी। इस दौरान एक युवक ने उससे बातचीत की। इसके बाद वह उसे कुछ दूरी पर ले गया। तभी तीन अन्य युवक भी वहां आ गए। आरोप है कि युवकों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर आरोपी वहां से चले गए।

किसी तरह किशोरी घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। परिजन किशोरी को लेकर कोतवाली पहुंचे। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय ने पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चौथे आरोपी की तलाश की जा रही है। चौथे आरोपी के बारे में अभी पुष्टि नहीं हुई है। किशोरी सही ढंग से नहीं बता पाई है, जांच की जा रही है। किशोरी का मेडिकल कराने के साथ ही गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### हल्द्वानी शुद्धिकरण पर खड़गे ने नड्डा को लिखा पत्र

**हल्द्वानी (एजेंसी)।** हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। खड़गे ने पत्र में कहा कि घटना के 24 दिन बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। खड़गे ने लिखा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी में उनकी

जनसभा के बाद रामलीला मैदान के मंच का शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने नड्डा से कहा है कि वे राज्यसभा में दिए अपने आश्वासन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देशित करें और रामलीला मैदान में हुए शुद्धिकरण में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि ऐसे लोगों को सबक देना जरूरी है। उनके मुताबिक, इस मामले में उनका रोष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है, जिससे समाज का एक बड़ा तबका प्रभावित होता है। 13 अगस्त को राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए खड़गे ने आरोप लगाया था कि उनके भाषण के बाद शुद्धिकरण किया।

### टीएमसी दफ्तर में सुबह साढ़े चार बजे तोड़फोड़

**कोलकाता (एजेंसी)।** तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में बीजेपी के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4.30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के

साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। अभिषेक के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन करीब दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी ऑफिस को लेकर कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। कोलकाता नगर निगम ने 31 अगस्त को पुलिस की मौजूदगी में इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। इस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थीं।

### यूपी चुनाव से पहले मायावती का आर-पार वाला दांव!

**मेरठ (एजेंसी)।** लगता है कि सियासत में बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोर्डिनेटर आकाश आनंद के सितारे गर्दिश से बाहर नहीं निकल पा रहे। आकाश आनंद 2017 में पहली बार सियासी मंच पर चढ़े और इसके बाद कई बार उसी मंच से नीचे उतार दिए गए। ये सब कोई और नहीं, बल्कि खुद उनकी बुआ और बीएसपी की अध्यक्ष मायावती ही कर रही हैं। गुरुवार को एक बार फिर मायावती ने

आकाश आनंद को जोर का झटका दे दिया। लखनऊ में बुलाई गई राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती ने कहा कि आकाश आनंद अभी मैच्योर नहीं हैं और उन्हें अभी और ज्यादा परिपक्व होने की जरूरत है, इसलिए फिलहाल उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। एक तरह से मायावती ने सियासी तौर पर आकाश आनंद को 'पैदल' कर दिया है।। मायावती ने चार दिन पहले और आज बुलाई गई बैठक में आकाश को बुलाया तक नहीं।

# एमपी से बंगाल तक 'सैलाब' का कहर

### ● बिहार में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही गंगा ● 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं एमपी और उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

## बाढ़ की चपेट में बिहार के 13 जिले, 8 नदियां उफनाईं

बिहार के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 8 नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है। बक्सर में नेशनल हाईवे पानी में डूब गया है। बेतिया में गंडक नदी के कटाव के कारण एक पक्का घर नदी में समा गया।

## लैंडस्लाइड से सीधी-यूपी रूट ब्लॉक, उमरिया में बही महिला

मध्य प्रदेश में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम ऐक्टिव है। सीधी के कैमूर पहाड़ की मूड़ा घाटी में लैंडस्लाइड के कारण सीधी-यूपी मार्ग बंद है। बारिश के चलते सड़क पर बड़े पत्थर और पेड़ गिर गए हैं। सड़क के नीचे 100 फीट से ज्यादा गहरी खाई होने से यहां हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। छतरपुर में मूसलाधार बारिश की वजह से सभी स्कूल बंद हैं। लवकुशनगर में कच्चा मकान ढह गया। मकान गिरने का वीडियो भी सामने आया है। उमरिया में बाढ़ में एक महिला बह गई, जो अभी भी लापता है। चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर कम होते ही हालात सामान्य होने लगे हैं।

## काशी में बाढ़, मोदी ने डीएम-मेयर को फोन किया

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। इसी बीच, काशी के सांसद पीएम मोदी ने वाराणसी डीएम सत्येंद्र कुमार और मेयर अशोक तिवारी से बात की। उन्होंने शहर में बाढ़ के हालात की डिटेल में जानकारी ली। पीएम ने कहा-यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। बाढ़ प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाते हुए उन्हें तत्काल जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी आसपास की सड़कों पर बह रहा है। 500 से अधिक दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है। यहां मकान ढहने से पिता और 2 बच्चों की मौत हो गई। पत्नी और बेटी की हालत गंभीर है। कानपुर देहात में मकान ढहने से 2 बच्चों की मौत हो गई। बलिया में गंगा-सरयू नदियां उफान पर हैं। शहर के कई इलाकों में पानी घुस गया है। सड़कों पर कमर तक पानी है। इसके चलते नाव चल रही है। सोनभद्र में प्रदेश का सबसे बड़ा रिहंद बांध ओवरफ्लो हो गया।

# अब एच-1 बी वीजा पर भारतीय प्रोफेशनल के लिए नया संकट

### नौकरी गई तो 60 दिन की मोहलत भी खत्म हो सकती है, अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स की लाइफलाइन माने जाने वाले एच-1बी वीजा पर नया संकट मंडरा रहा है। अमेरिका में चल रही छंटनी के बीच इस साल की पहली छमाही में करीब 10 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी जाने के बाद अमेरिका छोड़कर भारत लौटना पड़ा। इन्हें 60 दिन के ग्रेस पीरियड में नई नौकरी नहीं मिल पाई। अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेस के इस साल की पहली छमाही के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। इसकी तुलना में पूरे 2025 में करीब 5,100 भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका छोड़ना पड़ा था। यानी इस साल सिर्फ छह महीने में यह संख्या पिछले पूरे साल के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई।

## उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मेडिकल टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा। एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को खाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है। इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया।

# एयरफोर्स ने किया लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का सफल टेस्ट

### 300 किलो वजन, मिग और मिराज एयरक्राफ्ट से दागे जाएंगे ये बम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन

के एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है।

खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। ग्लाइड बम में क्रूज मिसाइल की तरह अपना इंजन नहीं होता। यह हवा में बने लिफ्ट के सहारे लक्ष्य की ओर बढ़ता है। इसकी लागत कम होने के कारण इन्हें बड़ी संख्या में बनाया जा सकता है। खगांतक सीरीज में 306 और 225 जैसे भारी वेरिएंट भी शामिल हैं, जिनकी मारक क्षमता ज्यादा है। वहीं, डीआरडीओ ने 2025 में 1,000 किलो के गौरव लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का भी परीक्षण किया था। एयरफोर्स ने खगांतक-243 के लिए डीआरडीओ को सीमित संख्या में प्रोडक्शन का ऑर्डर भी दिया है।

# भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं

### ● भारत और बेल्जियम संबंधों पर खुलकर बोले प्रधानमंत्री मोदी ● रक्षा से लेकर खाद्य और क्लीन एनर्जी क्षेत्रों पर भी रखी बात

### जोरावर टैंक से सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स तक चर्चा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के संबंधों के आधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। ये जड़ें हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। दोनों की मौजूदगी में भारत और बेल्जियम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ, जो रक्षा से लेकर खाद्य, क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया गया। पीएम मोदी ने इस दौरान जोरावर टैंक से लेकर आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स का भी जिक्र किया। एक दशक पहले की गई बेल्जियम यात्रा का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने आगे

कहा कि मुझे दस साल पहले बेल्जियम जाने का मौका मिला था और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पिछले दशक में हमारी साझेदारी ने कितनी शानदार तरक्की की है।

## बेल्जियम पीएम का किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी ने वेवर का स्वागत करते हुए कहा कि बेल्जियम पीएम की पहली भारत यात्रा पर उनका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह उनकी पहली भारत यात्रा जरूर है, लेकिन भारत से उनका परिचय पुराना है। वे लंबे समय तक एन्टवर्प के मेयर रहे हैं और उन्होंने एन्टवर्प के बड़े भारतीय समुदाय और भारत-बेल्जियम हीरे का व्यापार को हमेशा समर्थन दिया है। भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। पहले विश्व युद्ध में बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। आज लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच आपसी गहरे संबंध हमें स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

## भारत-बेल्जियम के संबंधों की जड़ें गहरी

विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को व्यापक करने की बात भी पीएम मोदी ने की। उन्होंने कहा कि आज विश्व एक बड़े उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। खाद्य, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखला, हर क्षेत्र में अनिश्चितता का प्रभाव पड़ रहा है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछले क्वार्टर में हमने 7.8 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। आज भारत की विकास की कहानी दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए का जिक्र भी किया। पीएम मोदी कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हमने ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया। विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता और साझा समृद्धि को नई मजबूती देगा।

# नवनियुक्त कार्मिक जनसेवा की भावना से अपने दायित्वों का निर्वहन करें

## 101 नवनियुक्त कार्मिकों को मुख्यमंत्री ने प्रदान किए नियुक्ति पत्र

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में पशुपालन विभाग तथा गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग में चयनित 101 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें 88 पशुधन प्रसार अधिकारी एवं 13 गन्ना पर्यवेक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि आम नागरिक को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। शासकीय कार्यप्रणाली में 'सरलीकरण, समाधान, निस्तारण और संतुष्टि' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना युवाओं के परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। आज से वे उत्तराखण्ड सरकार का अभिन्न हिस्सा बनने के साथ ही जनसेवा की महत्वपूर्ण यात्रा प्रारंभ कर रहे हैं। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से अपने ज्ञान, ऊर्जा और नए विचारों के माध्यम से शासकीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपनी कार्यशैली से उदाहरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकारी नौकरियां सिफारिश या पहचान से नहीं, बल्कि युवाओं की मेहनत और प्रतिभा के आधार पर मिल रही हैं। पिछले पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल रहे हैं। यह पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर अवसर प्रदान करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन तथा गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़े हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन हजारों परिवारों की आजीविका, मातृशक्ति के आर्थिक सशक्तीकरण और गांवों की समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार पशुपालन को रोजगार, स्वरोजगार और ग्रामीण विकास का सशक्त माध्यम बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्हें किसानों और पशुपालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझते हुए समाधान के लिए संवेदनशीलता से कार्य करना होगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, गणेश जोशी, खजानदास, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक श्रीमती सविता कपूर, दुर्गेश्वर लाल, सचिव एस.एन पाण्डेय एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

सरकार गन्ना किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार गन्ना किसानों के हितों के प्रति भी प्रतिबद्ध है। गन्ना सर्वेक्षण की व्यवस्था को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया गया है। किसानों को नई तकनीक, उन्नत गन्ना प्रजातियों और वैज्ञानिक खेती की जानकारी देने के लिए गन्ना क्लीनिक एवं परामर्श केंद्र शुरू किए गए हैं। उत्तराखण्ड में गन्ना किसानों को उत्तर प्रदेश की तुलना में 05 रुपये प्रति कुंतल अधिक गन्ना मूल्य दिया जा रहा है।

# रिजल्ट की मांग को लेकर आधी रात सीएम आवास कूच

देहरादून। आयुष छात्रों के लंबित परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग को लेकर देहरादून में छात्र आंदोलन उग्र हो गया। दिनभर प्रदर्शन और धरने के बाद देर रात बड़ी संख्या में आयुष छात्र–छात्राएं हरिद्वार रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर गए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिसके चलते छात्रों और पुलिस के बीच तीखी झड़प और धक्का–मुक्की हुई। देर रात तक मौके पर हंगामे की स्थिति बनी रही।प्रदर्शन के दौरान सात छात्र–छात्राएं पानी की टंकी पर चढ़ गए।

छात्रों की मांग थी कि लंबित परीक्षा परिणाम जल्द जारी किए जाएं। पुलिस और प्रशासन की ओर से छात्रों को समझाने तथा नीचे उतारने के प्रयास किए गए, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे। जानकारी के मुताबिक, आयुर्वेद विश्वविद्यालय से संबंधित मांगों को लेकर आयुष छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। बुधवार सुबह छात्रों ने फिर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि उनके रिजल्ट जारी करने में लगातार देरी हो रही है, जिससे उनकी पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने का प्रयास किया। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इसके बाद छात्र और कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस से उलझ गए और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

**ज्योति रौतेला समेत कांग्रेस नेता भी पहुंचे**

छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला और कांग्रेस नेता मोहित उनियाल समेत कई कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और लंबित रिजल्ट तत्काल जारी करने की मांग उठाई।

## एक नजर

### आखिरकार बलाण गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

देवाल। ब्लॉक के दूरस्थ बलाण गांव में वायरल से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य की जांच के लिए बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल के निर्देश पर गांव में शिविर लगाया गया। इस दौरान 82 लोगों की जांच कर उन्हें दवाएं दी गईं।

बलाण गांव में पिछले डेढ़ सप्ताह से कई लोग वायरल से पीड़ित थे। प्रधान खीमी राम और बीडीसी सदस्य प्रदीप दानू सहित अन्य ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दी थी। हालांकि शुरुआत में कोई टीम गांव नहीं पहुंची। सीएमओ डॉ. राजीव सिंह पाल ने इसका संज्ञान लिया और टीम भेजने के निर्देश दिए। टीम में सीएचओ आकांशा रावत, फार्मासिस्ट दिनेश शर्मा, एएनएम सोनी, आशा कार्यकर्ता राधा देवी और आशा फैसिलिटेटर गंगोत्री परिहार शामिल थे। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित 82 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। सीएचओ आकांशा रावत ने बताया कि अधिकतर लोग खांसी, बुखार और जुकाम से पीड़ित थे। सभी मरीजों को दवाएं दी गई हैं। गांव की आशा कार्यकर्ता को लोगों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

### शिक्षकों के तबादले से अभिभावकों में नाराजगी

नंदासैंण। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज नंदासैंण से पांच शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद अभिभावकों में भारी रोष है। उन्होंने प्रशासन को 20 दिन का अल्टीमेटम दिया है। यदि इस अवधि में रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई तो विद्यालय परिसर में धरना दिया जाएगा। एसएमसी अध्यक्ष रेवत सिंह नेगी ने कहा कि विद्यालय पहले से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। पीटीए अध्यक्ष अर्जुन भंडारी ने बताया कि शिक्षकों के स्थानांतरण से छात्रों की पढ़ाई और परीक्षा परिणाम प्रभावित होंगे। उन्होंने शिक्षा डॉ. मंत्री धन सिंह रावत को इस संबंध में पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अंग्रेजी, हिंदी, भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान के प्रवक्ता व एलटी पद रिक्त हैं। वर्तमान में 219 छात्र अध्ययनरत हैं।

### पीएचसी शैलेश्वर को दूसरी बार मिला कायाकल्प अवॉर्ड

नंदासैंण। पीएचसी शैलेश्वर को लगातार दूसरी बार कायाकल्प अवॉर्ड मिला है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड की कायाकल्प अवॉर्ड योजना के तहत पीएचसी शैलेश्वर को लगातार दूसरी बार यह सम्मान मिला है। मिशन के निदेशक डॉ. संदीप तिवारी ने 29 अगस्त को चयनित चिकित्सा इकाइयों की सूची जारी की जिसमें पीएचसी शैलेश्वर का नाम शामिल है। कायाकल्प योजना स्वास्थ्य इकाइयों में साफ–सफाई, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण और मरीजों की सुविधाओं जैसे मानकों का मूल्यांकन करती है। पीएचसी शैलेश्वर के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने इस चयन को पूरे केंद्र के लिए गौरव की उपलब्धि बताया।

### केदारनाथ में शुरू हुआ जनगणना का दूसरा चरण

रुद्रप्रयाग। जनपद में जनगणना के दूसरे चरण का कार्य शुरू हो गया है। इसके तहत दुर्गम एवं हिमपात प्रभावित क्षेत्रों में सितंबर में ही जनगणना पूरी की जाएगी। दूसरे चरण की शुरुवात श्री केदारनाथ धाम में नगर पंचायत केदारनाथ के प्रगणकों ने जनगणना संबंधी कार्य शुरू कर किया। केदारनाथ जैसे दुर्गम क्षेत्र में मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए निर्धारित समय में कार्य पूरा करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जनपद में जनगणना के प्रथम चरण यानी हाउस लिस्टिंग का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इसमें आवासीय एवं अन्य भवनों से संबंधित जानकारी जुटाकर हाउस लिस्टिंग ब्लॉक तैयार किए गए हैं। कार्य के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की तैनाती भी की गई है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर चल रहे कार्य की प्रगति की उपखंड जनगणना अधिकारी के माध्यम से जिला जनगणना अधिकारी नियमित निगरानी कर रहे हैं। दूसरा चरण दो समयावधियों में संचालित किया जाएगा। दुर्गम एवं हिमपात प्रभावित क्षेत्रों में यह कार्य सितंबर 2026 में, जबकि जनपद के अन्य क्षेत्रों में फरवरी 2027 में कराया जाएगा।

### जांच और सत्यापन के बाद 101 मतदाता अपात्र मिले

रुद्रप्रयाग। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके तहत दावे और आपत्तियों की सुनवाई 11 सितंबर तक होगी। वहीं अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 15 सितंबर को किया जाएगा। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने अगस्त्यमुनि में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच और सत्यापन के बाद 101 मतदाता अपात्र मिले हैं।

# कुरुड़ में मंडप में विराजमान हुईं राजराजेश्वरी मां नंदा की डोलियां

कुरुड़ (चमोली)। सिद्धपीठ कुरुड़ से मां नंदा की बड़ी जात के शुभारंभ की प्रक्रियाएं बृहस्पतिवार को विधि–विधान के साथ शुरू हो गईं। मंत्रोच्चारण और विशेष पूजाओं के बाद दशोली और कुरुड़ की राजराजेश्वरी मां नंदा की डोलियों को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ मंडप में विराजमान किया गया। वहीं सुंग गांव से जयकारों के बीच चौसिंग्या खाडू को कुरुड़ मंदिर लाया गया। इस दौरान मां नंदा अवतारी पुरुष मुंशी चंद्र गौड़ पर अवतरित हुईं और बड़ी जात के सफल आयोजन का आशीर्वाद दिया।

उत्तराखंड में मां नंदा को माता पार्वती के स्वरूप के साथ बेटी, बहन और लोकमाता के रूप में पूजा जाता है। हर 12 वर्ष में होने वाली नंदा राजजात के इतर इस वर्ष सिद्धपीठ कुरुड़ से पहली बार मां नंदा की बड़ी जात आयोजित की जा रही है। बड़ी जात को लेकर यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार सुबह पांच बजे कुरुड़ मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना शुरू हुई। पंडित मुंशी चंद्र गौड़, मंशाराम गौड़ और संजय गौड़ ने मां नंदा के श्रृंगार पूजा के साथ संकल्प पूजा कराई। पांच सितंबर को मां नंदा की डोलियां कैलाश के लिए विदा होंगी। बड़ी जात आयोजन समिति के अध्यक्ष कर्नल (सेनि.) हरेंद्र सिंह रावत, डोली के पुजारी नरेश गौड़ और अशोक गौड़, कुरुड़ मंदिर समिति के अध्यक्ष सुखवीर रौतेला सहित सदस्यों ने बड़ी जात के सफल आयोजन का संकल्प लिया।

**राजी—खुशी राखी नंदा, मैत्युं को मुलुक.....**

मंदिर परिसर के समीप बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय नंदा मेले का भी शुभारंभ हुआ। नंदानगर की ब्लॉक प्रमुख हिमा देवी ने मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान सरस्वती शिशु मंदिर कुरुड़, नंदानगर, कुंडबगड़, राइंका कुंडबगड़ सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने मां नंदा के जागर जा मेरी नंदुला, तै उंच्चा कैलासुं.., कुरुड़ की नंदा भगोती...., राजी–खुशी राखी नंदा, मैत्युं को मुलुक की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

# ध्वस्तीकरण के आदेश के बावजूद जारी है कथित अवैध निर्माण



देहरादून। GMS रोड स्थित चमन विहार फेज–2 RWS सोसाइटी में कथित अवैध निर्माण को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि संबंधित बिल्डर द्वारा निर्माण कार्य लगातार कराया जा रहा है, जबकि इस निर्माण के संबंध में मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से पहले ही ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए जा चुके हैं।

क्षेत्रवासियों के अनुसार, RTI से प्राप्त जानकारी में फरवरी 2026 में ही उक्त निर्माण के संबंध में ध्वस्तीकरण आदेश जारी होने की बात सामने आई है। इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रहने का आरोप है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आदेश जारी होने के कई माह बाद भी उसका प्रभावी अनुपालन क्यों नहीं कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी निर्माण के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया जा चुका है, तो उसके बाद भी निर्माण कार्य जारी रहना विभागीय निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि संबंधित आदेशों की अनदेखी करते हुए निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

**कार्रवाई के बजाय निर्माण जारी रहने का आरोप**

चमन विहार फेज–2 के लोगों का कहना है कि विभागीय स्तर पर कार्रवाई के आदेश होने के बावजूद यदि मौके पर निर्माण जारी रहता है, तो इससे आम लोगों में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गलत संदेश जाता है। लोगों ने मांग की है कि टउ्ळअ एवं संबंधित विभाग तत्काल मौके का निरीक्षण करें और यदि निर्माण आदेशों के विपरीत पाया जाता है तो उसे तत्काल बंद कराया जाए। क्षेत्रवासियों ने ध्वस्तीकरण आदेश का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आदेशों की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

**फरवरी से अब तक कार्रवाई क्यों नहीं?**

मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि फरवरी 2026 में ध्वस्तीकरण का आदेश जारी होने के बावजूद सितंबर तक मौके पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या विभागीय आदेश केवल कागजों तक सीमित हैं या उनका धरातल पर भी पालन कराया जाएगा?

# मसूरी में उत्तराखंड परिवहन निगम का टेंपो ट्रैवलर पलटा, 17 यात्री घायल




मसूरी। मसूरी–देहरादून मार्ग पर गलोगीधार के पास गुरुवार को उत्तराखंड परिवहन निगम का टेंपो ट्रैवलर अचानक दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में वाहन सवार 17 यात्री घायल हो गए, जिनमें एक यात्री को गंभीर चोटें आने की सूचना है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मसूरी से देहरादून की ओर जाते समय टेंपो ट्रैवलर के अचानक ब्रेक फेल हो गए। वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को खाई की ओर जाने से रोकने के लिए पहाड़ की तरफ मोड़ दिया। वाहन पहाड़ से टकराने के बाद सड़क पर पलट गया।

स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला

हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार और अफरा–तफरी मच गई। सड़क पर वाहन पलटा देखकर आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों ने अपने वाहन रोक दिए। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वाहन में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलते ही मसूरी पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

चालक के अनुसार, अचानक ब्रेक फेल होने के बाद वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति बिगड़ती देख उन्होंने टेंपो ट्रैवलर को पहाड़ की ओर मोड़ दिया। चालक का कहना है कि यदि वाहन खाई की तरफ चला जाता तो हादसा कहीं अधिक गंभीर हो सकता था।

एक यात्री ने बताया कि सफर सामान्य चल रहा था, तभी अचानक वाहन पलट गया। यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वाहन के अंदर चीख–पुकार मच गई।

पुलिस कर रही हादसे की जांच

मसूरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में वाहन के ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

# सात को मुख्यमंत्री आवास कूच करेगी कांग्रेस

डोईवाला। कांग्रेस की ओर से सात सितंबर को देहरादून में मुख्यमंत्री आवास कूच को सफल बनाने के लिए बृहस्पतिवार को जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कूच के संबंध में आवश्यक रणनीति तैयार की गई। परवादून कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक में कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर लगातार संघर्ष कर रही है। सात सितंबर को पार्टी की एकजुटता और जनता के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया जाएगा। कहा कि कार्यकर्ता जिम्मेदारी समझकर मुख्यमंत्री आवास कूच में शामिल हो। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि प्रदेश की जनता विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है। जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए कांग्रेस ने मुख्यमंत्री आवास कूच का आह्वान किया है। कहा कि पदाधिकारी कूच को सफल बनाने के लिए ग्राम स्तर तक बैठक और संपर्क अभियान को चलाएंगे। बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण, ब्लाक प्रमुख गौरव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अश्वनी बहुगुणा, जयेंद्र रमोला, करतार नेगी, ललित मोहन मिश्रा, राकेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

# एसआरएचयू में टेडएक्स का आगाज,द स्पार्क विदिन थीम का हुआ अनावरण

जौलीग्रांट। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एसएमएस) की ओर से आयोजित होने वाले पहले टेडएक्स–एसआरएचयू कार्यक्रम का बृहस्पतिवार को अनावरण समारोह के साथ औपचारिक शुभारंभ किया गया। टेडएक्स–एसआरएचयू के पहले संस्करण की थीम द स्पार्क विदिन रखी गई है।

एसआरएचयू के अध्यक्ष डॉ. विजय धस्माणा ने कहा कि टेडएक्स एसआरएचयू छात्रों को अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानने और अपने विचारों को समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित करेगा। द स्पार्क विदिन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करेगा। कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल ने कहा कि टेडएक्स एसआरएचयू छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तित्वों के अनुभवों से सीखने और अपनी सोच का विस्तार करने का अवसर प्रदान करेगा।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की निदेशक डॉ. तरुणा गौतम ने कहा कि टेडएक्स ऐसे विचारों, अनुभवों और कहानियों को मंच प्रदान करता है। जो लोगों को कुछ नया सोचने और अपने दृष्टिकोण का विस्तार करने के लिए प्रेरित करते हैं।

टेडएक्स–एसआरएचयू के माध्यम से छात्रों को विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहे प्रेरक व्यक्तित्वों से जुड़ने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिलेगा। अनावरण समारोह में छात्रों ने नृत्य, संगीत सहित विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

# सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई



देहरादून, राजधानी देहरादून में सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती और बढ़ा दी है। पर्यावरण संरक्षण और शहर को प्रतिबंधित प्लास्टिक से मुक्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर नगर निगम के विभिन्न वार्डों में लगातार चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को वार्ड–78 टर्नर रोड में प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने व्यापक औचक निरीक्षण किया।

**मुन्नी चौक और आईएसबीटी बस स्टैंड मार्केट में हुई जांच**

जिला सूचना अधिकारी प्रियंका जोशी और नगर निगम के सेनेटरी इंस्पेक्टर राजीव कुमार सैनी के नेतृत्व में टीम ने टर्नर रोड वार्ड–78 के मुन्नी चौक एवं आईएसबीटी बस स्टैंड मार्केट में अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने कुल 38 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। अचानक हुई जांच से प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति रही।

निरीक्षण के दौरान छह प्रतिष्ठानों में करीब 19 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री बरामद की गई। प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 9,500 रुपये का अर्थदंड वसूला गया। टीम ने बरामद प्रतिबंधित प्लास्टिक को मौके पर ही जब्त कर लिया।

**भविष्य में प्लास्टिक इस्तेमाल न करने की हिदायत**

कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में किसी भी तरह की प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का इस्तेमाल न किया जाए। प्रशासन ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन दोबारा पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं निरीक्षण के दौरान एक मांस विक्रेता एक्सपायर लाइसेंस के साथ मांस विक्रय कराता हुआ पाया गया। टीम ने संबंधित विक्रेता को नगर निगम से तत्काल वैध लाइसेंस प्राप्त करने की हिदायत दी।

# नौले—धारों और नदियों के पुनर्जीवन को मिलेगी रफ्तार



देहरादून। प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नौले–धारों और नदियों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को प्रभावी एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा) की जिला स्तरीय बैठक की। बैठक में जल स्त्रोतों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन योजना के तहत किए जा रहे कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं सौंदर्यीकरण से स्थानीय लोगों को वास्तविक लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य निर्धारित कर एकीकृत दृष्टिकोण से कार्य करने के निर्देश दिए।

वन प्रभाग मसूरी की प्रगति पर जताई नाराजगी

बैठक में वन प्रभाग मसूरी की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने पूर्ण हो चुके कार्यों का शीघ्र सत्यापन कराने तथा सत्यापन के बाद लंबित भुगतान की कार्रवाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। सारा से धनराशि प्राप्त कर चुके विभागों को भी आवंटित बजट का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया।

**51 रिचार्ज शाफ्ट का काम पूरा**

लघु सिंचाई विभाग ने बैठक में बताया कि जिले में 51 रिचार्ज शाफ्ट के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन रिचार्ज शाफ्ट से भूजल स्तर बढ़ाने और जल संरक्षण पर पड़े प्रभाव का आकलन कराने के निर्देश दिए। इसके लिए केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के साथ संयुक्त रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया।

**गडूल नदी में शुरू होंगे जल संरक्षण के कार्य**

एक जनपद, एक नदी योजना के तहत सोंग नदी कैचमेंट की सहायक नदी गडूल नदी में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके लिए सारा की ओर से बजट भी अवमुक्त किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए।

पांच ऐतिहासिक नौले–धारों की बनेगी डीपीआर

जनपद में ऐतिहासिक, पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले चयनित पांच धारे एवं नौले के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए डीपीआर तैयार की जाएगी। जिलाधिकारी ने आर्किटेक्ट को संबंधित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर डिजाइन और रिपोर्ट जल्द तैयार करने को कहा, ताकि डीपीआर समय से सारा मुख्यालय भेजी जा सके।

# चूनाधारा के समीप पहाड़ी से लगातार गिर रहे मलबे और बोल्डर

### वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** बरसात ने कोटद्वार-दुगड्डा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही को जोखिम भरा बना दिया है। चूनाधारा के समीप पहाड़ी दरकने से हाईवे पर लगातार मलबा और बोल्डर गिर रहे हैं। पिछले दो दिनों से पहाड़ी से रुक-रुककर पत्थर और मलबा सड़क पर आने से इस स्थान पर दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर बरसात में पहले से ही चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। मार्ग के कई हिस्सों में पहाड़ियों से मलबा और पत्थर सड़क पर आ रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर खोह नदी के कटाव से हाईवे प्रभावित हो रहा है। इसी बीच चूनाधारा के आसपास भूस्खलन की गतिविधियां बढ़ने से यहां नया संवेदनशील क्षेत्र बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार चूनाधारा और आसपास की पहाड़ियों से बारिश के दौरान बड़ी मात्रा में मलबा नीचे खिसक रहा है। कई बार भारी बोल्डर अचानक पहाड़ी से लुढ़ककर सड़क पर आ जाते हैं। ऐसे में हाईवे से गुजरने वाले दोपहिया और छोटे वाहनों के साथ ही बड़े वाहनों के लिए भी खतरा बना हुआ है। पहाड़ी से अचानक गिरने वाले पत्थरों की चपेट में आने से कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से मलबा हटाने के लिए मौके पर जेसीबी तैनात की गई है और सड़क पर आने वाले मलबे को हटाया जा रहा है। बावजूद इसके पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो पा रही है। वाहन चालकों का कहना है कि बरसात के दौरान चूनाधारा के समीप विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित विभाग से भूस्खलन प्रभावित हिस्से का स्थायी उपचार कराने तथा बोल्डर गिरने वाले स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।



चूनाधारा के समीप गिर मलबा

### जिला योजनाओं में धांधली के आरोप को बताया निराधार

उत्तरकाशी। जिला योजनाओं में धांधली और अनियमितता के आरोपों को लेकर जिला पंचायत सदस्यों ने स्थिति साफ करते हुए इन्हें निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने क्षेत्र की जरूरतों और जनसमस्याओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों के लिए धनराशि का आवंटन किया है।

जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जिला योजना तैयार करने से पहले ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों और पार्टी मंडल अध्यक्षों से क्षेत्रवार सुझाव लिए गए। इन्हीं सुझावों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की प्राथमिक समस्याओं और विकास आवश्यकताओं को देखते हुए योजनाओं में धनराशि का प्रावधान किया गया है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मंत्री सौरभ बहुगुणा के पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री का जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जनपद को ओबीसी की परिधि में लाने सहित जिले के विकास में उनका अहम योगदान रहा है। समर्थन करने वालों में जिला पंचायत सदस्य कुलदीप सिंह नेगी, भरत सिंह बिष्ट, हीरालाल, प्रतिनिधि देवेंद्र नाथ, अनिल रावत, रायसिंह रावत, राजेन्द्र राणा आदि शामिल हैं।

## 'भारत को जानो' परीक्षा, 24 विद्यालयों के 1800 छात्र-छात्राओं ने लिया भाग



**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** भारत विकास परिषद कोटद्वार के तत्वावधान में अखिल भारतीय 'भारत को जानो' लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में नगर के 24 विद्यालयों के करीब 1800 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

परीक्षा संयोजक ने बताया कि परीक्षा नगर के 24 विद्यालयों में दो वर्गों में आयोजित की गई। जूनियर वर्ग में कक्षा 6 से 8 तथा सीनियर वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दोनों वर्गों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की द्वितीय चरण में पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी। द्वितीय चरण में दोनों वर्गों से प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमें प्रांतीय स्तर पर प्रतिभाग करेंगी। परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारत के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं एवं सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 'भारत को जानो' परीक्षा का आयोजन पूरे देश में एक ही दिन किया गया। परीक्षा को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल, संयोजक गोपाल बंसल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, राजदीप माहेश्वरी, गोपाल कुकरेती, मीनाक्षी शर्मा, राधेश्याम शर्मा, राजेंद्र जखमोला, सेवकराम मनुजा सहित परिषद के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व



**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** एमकेवीएन एजुकेशन ग्रुप की कण्वघाटी, देवी रोड और दुर्गापुरी शाखाओं में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण, सुदामा और गोपियों के आकर्षक परिधानों में विद्यालय पहुंचे। कण्वघाटी शाखा में श्रीकृष्ण जन्म की झांकी, सुदामा-कृष्ण मिलन, दही हांडी और भजन-नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। बेस्ट राधा-कृष्ण प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। देवी रोड शाखा में बांसुरी सजाओ और मटका डेकोरेशन प्रतियोगिता ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। दुर्गापुरी शाखा में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण जन्म एवं जीवन प्रसंगों पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधक प्रकाश चंद्र कोठारी और कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी भारतीय ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं तथा बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम में शिक्षा निदेशिका सिंधु कोठारी, एडमिन डायरेक्टर विपिन जदली, प्रधानाचार्य सुनीता नैथानी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, नवयुग पब्लिक स्कूल में भी जन्माष्टमी उत्साहपूर्वक मनाई गई। छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चे कृष्ण, राधा, सुदामा समेत विभिन्न पात्रों की आकर्षक वेशभूषा में नजर आए। यहां आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रधानाचार्या नीलम नेगी और प्रशासक अर्पिता नेगी सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

### कांग्रेसियों ने सीएमओ कार्यालय पर जड़ा ताला

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जनपद की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तालाबंदी कर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। उसके बाद सीएमओ से लिखित आश्वासन की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता सीएमओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए और रघुपति राघव राजा राम भजन गाकर धरने पर डटे रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय से लेकर सीएमओ कार्यालय तक स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर नगर क्षेत्र से सीएमओ कार्यालय तक जुलूस निकाला। उसके बाद सीएमओ कार्यालय के मुख्य गेट पर पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान वहां पर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प देखने को मिली। पुलिस के रोके जाने पर गुस्साए कांग्रेसी कार्यकर्ता गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए। वहां पर प्रदेश सरकार सहित पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर वहां पर रघुपति राघव राजा राम भजन का गायन कर अपना विरोध दर्ज किया। कांग्रेस ने कहा कि जिला अस्पताल में लंबे समय से विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती नहीं हो पाई है। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली पर अमर उजाला में प्रकाशित खबर को सीएमओ को दिखाकर कहा कि यह असली हकीकत है। साथ ही कहा कि जिला अस्पताल से सभी मरीजों को बाहर की दवाइयां लिखने के लिए मजबूर किया जाता है।

### गंगोत्री हाईवे से उत्तरौं गांव को जोड़ने वाली सड़क बदहाल

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे से उत्तरौं गांव को जोड़ने वाली करीब 150 मीटर सड़क बदहाल होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लिए बनी सड़क काफी पुरानी है लेकिन इसका एक हिस्सा लंबे समय से खराब पड़ा है। पीएमजीएसवाई सड़क के सुधारीकरण को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। उत्तरौं गांव के ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह चौहान, रविंद्र सिंह राणा, जगमोहन सिंह, कमल सिंह, नत्थी राणा ने बताया कि यह सड़क वर्तमान पीएमजीएसवाई मार्ग से जुड़ी हुई है और क्षेत्र के लोग लंबे समय से इसका इस्तेमाल करते आ रहे हैं।

### पुल के लिए कलेक्ट्रेट में फूटा लोगों का गुस्सा

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय से महज तीन किमी की दूरी पर स्थित स्यूणा गांव के लिए पुल निर्माण नहीं होने के कारण आज भी लोग ट्रॉली पर जान जोखिम में डालकर भागीरथी नदी के ऊपर जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। उनकी इस समस्या को लेकर ग्रामीण उत्तराखंड क्रांति दल के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उसके बाद डीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वहां पर ट्रॉली को मोटर चलित किया जाएगा।

## मसूरी कांड के बलिदानियों को दीये जलाकर दी श्रद्धांजलि

### उक्रांद ने कहा राज्य आंदोलनकारियों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान हुए मसूरी कांड की 32वीं पुण्यतिथि पर उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पश्चिमी झंडीचौड़ स्थित भरत चौक में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने दीये जलाकर आंदोलनकारियों को नमन किया। इस दौरान शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पृथक राज्य की मांग को लेकर आंदोलनकारियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके बलिदान और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वक्ताओं ने कहा कि एक सितंबर के खटीमा कांड और दो सितंबर के मसूरी कांड की घटनाएं उत्तराखंड के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय हैं। सरकार को इन दिवसों पर केवल शहीदों के स्मारकों पर माल्यार्पण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रदेशभर में सरकारी कार्यालयों और विद्यालयों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर नई पीढ़ी को राज्य आंदोलन के इतिहास से अवगत कराना चाहिए। उक्रांद के केंद्रीय सलाहकार समिति सदस्य महेंद्र सिंह रावत, केंद्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश भारद्वाज, संगठन सचिव सत्यपाल सिंह नेगी, प्रचार सचिव उमेद सिंह भंडारी व रविंद्र सौंद, नगर अध्यक्ष भारत मोहन काला, जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ नरेश धस्माना, देवेंद्र रावत, गणेश रावत और गोवर्धन काला ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कृपाल सिंह गुसाईं, हरीश बहुखंडी, दलवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, रमेश, सीमा बिष्ट, विनीता देवी, पुष्पा मेहरा, दीपा अधिकारी और लक्ष्मी नेगी समेत कई कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।



कोटद्वार में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी।

## आक्रोशित कांग्रेसियों ने भरसार विवि में किया प्रदर्शन, गोदियाल ने उठाएं सवाल

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (वीसीएसजी यूयूएचएफ) भरसार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छात्रा की मौत और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर आक्रोश जताया। आरोप लगाया कि विवि की ओर से बीमार छात्रा को समय से सही उपचार नहीं मिला और कई अस्पतालों से रेफर होने के बाद अंत में उसने दम तोड़ दिया।

गुरूवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल भरसार विवि पहुंचे। जहां विवि में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। गोदियाल ने छात्रों से संवाद कर विवि में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारियां ली। कहा कि विवि में स्वास्थ्य सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। चिकित्सक नहीं होने छात्रा की इस प्रकार से मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब विवि के पास स्थाई चिकित्सक नहीं है तो किसी पर कार्रवाई का क्या मतलब। कहा कि विवि प्रशासन को जवाब देना पड़ेगा कि बीमार छात्रा को भरसार से पाबौ, पौड़ी, श्रीनगर और फिर ऋषिकेश एम्स के लिए क्यों रेफर करना पड़ा। गोदियाल ने विवि में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत पर निशाना साधते हुए उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाए। कहा कि डॉ. धन सिंह रावत ने बतौर स्वास्थ्य मंत्री भरसार विवि में स्थाई डॉक्टर तैनात करने की घोषणा की थी। लेकिन आज तक भी विवि में डॉक्टर तैनात नहीं हुए। गोदियाल ने मामले में स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से फोन पर वार्ता की। बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सीएमओ पौड़ी से बात कर विवि में डॉक्टर तैनात करने के लिए निर्देशित करेंगे। हालांकि इस पर भी गोदियाल ने कहा कि ये भी हो पाएगा या नहीं, ये कुछ दिन में पता चल जाएगा। (एजेंसी)

## भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की प्रस्तुति ने मोहा मन



देवप्रयाग : भगवान राम के प्राचीन मंदिर में वृंदावन की प्रसिद्ध श्री पुष्टि मार्गीय बृज रासलीला की शुरुआत हुई। श्री रघुनाथ सांस्कृतिक समिति की ओर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित तीन दिवसीय रासलीला की शुरुआत पूर्व पालिका अध्यक्ष कृष्ण कांत कोटियाल ने की। आचार्य रामशरण शर्मा के निर्देशन में 15 सदस्यीय रास मंडली के कलाकारों ने बृज भाषा के भजनों व संवादों से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को प्रस्तुत किया गया। राधा कृष्ण के भावपूर्ण मयूर नृत्यों के साथ कालिया नाग मर्दन की लीला ने देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा। कलाकारों ने शुद्ध बृज भाषा में भजनों और संवादों के साथ प्रस्तुतियां दीं। कालिया नाग मर्दन की रोमांचकारी एवं जीवंत लीला ने देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर रघुनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष उत्तम भट्ट, मुकेश पंचपुरी, विनोद बडोला, यमना प्रसाद कोटियाल, अत्रेश ध्यानी व राजेश भट्ट द्वारा रासलीला मंडली का स्वागत किया गया। (एजेंसी)

## संकुल स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

### बौद्धिक प्रतियोगिता में कृष्टिना रावत ने हासिल किया प्रथम स्थान

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : महादेव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जशोधरपुर में संकुल कोटद्वार की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संकुल प्रमुख निर्मल केमनी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रत्येक प्रतियोगिता विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बौद्धिक प्रतियोगिता के बाल वर्ग में कृष्टिना रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गीत प्रतियोगिता में कृतिका, विज्ञान प्रदर्शनी में अदिति रावत तथा मूर्तिकला में वासुदेव प्रथम रहे। वहीं शिशु वर्ग की 400 मीटर दौड़ में दीक्षा और ऊंची कूद में वंशिका ने प्रथम स्थान हासिल किया। कबड्डी प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी

## संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर करें काम : रावत

### राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कोटद्वार पहुंचे तीरथ रावत

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के कोटद्वार पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने कौड़िया बैरियर पर फूल-मालाओं और जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। इसके उपरांत वह जुलूस के साथ राजकीय प्रेक्षागृह पहुंचे, जहां आयोजित अभिनंदन समारोह में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

तीरथ सिंह रावत ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। सामान्य कार्यकर्ता भी मेहनत, निष्ठा और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा की विचारधारा और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि बूथ स्तर का कार्यकर्ता संगठन की नींव है। भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि तीरथ सिंह रावत का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनना उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव की बात है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी और महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राजेंद्र अंथवाल, ऋषि कंडवाल, विश्वजीत नेगी, वीरेंद्र सिंह, सुमन कोटनाला, सुरेंद्र आर्य, मोहन सिंह नेगी, हरि सिंह पुंडीर, विजयानंद पोखरियाल, विकास दीप मित्तल, प्रेमा खंतवाल, आशीष रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते तीरथ सिंह रावत


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री अमरीन ने उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2026 में अनुक्रमांक 26052538 से उत्तीर्ण की। जिसकी अंकतालिका, प्रमाण पत्र वास्तव में खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

**नजमा परवीन पत्नी सजाउद्दीन निवासी गैरेज रोड़, आमपड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(0601/21)

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री आलिया ने उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2024 में अनुक्रमांक 24054083 से उत्तीर्ण की। जिसकी अंकतालिका, प्रमाण पत्र वास्तव में खो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

**नजमा परवीन पत्नी सजाउद्दीन निवासी गैरेज रोड़, आमपड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(0600/21)


### ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

उत्तरकाशी। राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज में विद्यालयी विकासखंड स्तरीय वॉलीबॉल, कबड्डी और खो–खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर खेल कौशल और दमखम दिखाया। वहीं, अंतिम दिन वॉलीबाल अंडर–17 बालिका वर्ग में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्डियाणी और अंडर–14 बालक वर्ग में इंटर कॉलेज भटवाड़ी विजेता रहा।

## वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली प्रभात फेरी, राष्ट्र प्रेम का दिया संदेश



**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** गुरूवार को भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में वंदे मातरम् राष्ट्रगीत के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में प्रभात फेरी निकाली गई। भारत माता की जयघोष से गुंजायमान यह प्रभात फेरी हमारे राष्ट्रीय गौरव, स्वाधीनता संग्राम की भावना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का सजीव प्रतीक रही।

प्रभात फेरी में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रभात फेरी के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों एवं गीतों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः महाविद्यालय पहुंची।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. लवनी रानी राजवंशी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिप्रा, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. सत्य नंदन भगत, डॉ. अजय रावत, डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. सुमन कुकरेती आदि उपस्थित रहे।


उत्तर रेलवे

निविदा निरस्तीकरण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद द्वारा मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर, हरिद्वार, [illegible] ... IREPS पर प्रकाशित निविदा सूचना सं. [illegible] –2026 ... दिनांक [illegible] ... अतः उक्त निविदा सूचना को निरस्त समझा जाए।

सं. [illegible] –2026 दिनांक [illegible]

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

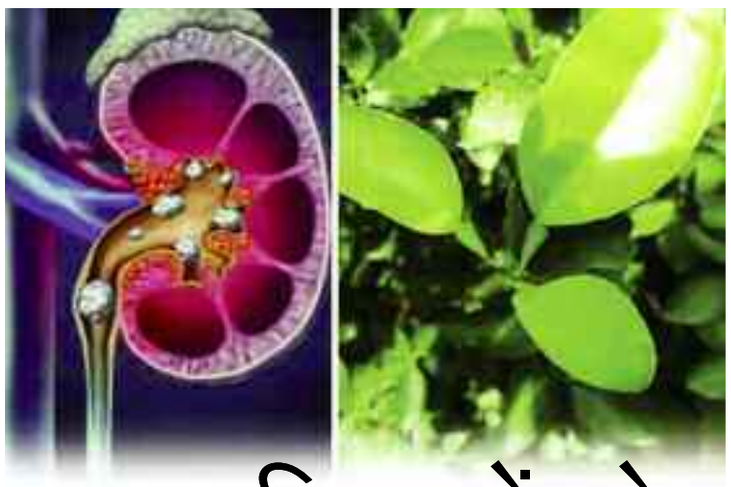

# रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

**नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।**

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

## नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

## किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

## माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

## सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

## वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

## पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

# घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

**मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -**

## बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

## स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

## स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

## हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

## जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

## पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

## साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

# नींद की कमी से होता है थायराइड

**अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।**

## ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

## ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

## व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

## कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

## नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

## धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

## पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

## महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

# क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

## क्या है के-पॉप डाइट?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

## कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

## कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

## के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

## लाल मिर्ची के इस्तेमाल से

# हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

**आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।**

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

**संक्षिप्त समाचार**

### अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।

### पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका ने चाबहार समेत ईरान के कई ठिकानों पर किए हमले; ट्रंप ने क्या धमकी दी

**वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया। भारतीय समयानुसार रात करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुए हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक सितंबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की। अमेरिकी सेना ने आईआरजीसी के ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस साइट, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता से जुड़े ठिकाने और संचार केंद्र शामिल थे। कमान ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर आईआरजीसी के हालिया हमलों की कोशिशों के बाद किए गए। पश्चिम एशिया में इस समय 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कमान ने कहा कि ये सैनिक सतर्क हैं और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की जाएगी। ईरान की समाचार एजेंसियों के अनुसार, केशम द्वीप, बंदर अब्बास, चाबहार, जास्क और सिरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी जॉर्डन के शहर अकाबा के ऊपर धमाके दिखाई दिए। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी हमले में एक घर को निशाना बनाया गया। उस समय वहां शादी समारोह चल रहा था। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने इस हमले का जवाब दिया, तो उसे और भी सख्त परिणाम भुगतने होंगे। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को अपने इन नए हमलों पर पछतावा होगा।

### आर्थिक नीति: जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात; आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश, वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून-चोल से भी मुलाकात की। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है।

# मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, 4800 से अधिक लोग अभी भी लापता; भारत की पांचवीं मदद रवाना

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल है। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को नेपाल के बाढ़ प्रभावित त्रिशूली बाजार पहुंचे। उन्होंने मौके पर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं। बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखकर सोनू सूद ने चिंता जताई और कहा कि लोगों को सामान्य जिंदगी में लौटने में काफी समय लग सकता है।

एएनआई से बातचीत में उन्होंने नेपाल की मदद के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। सोनू सूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल को दी जा रही सहायता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राहत और सहयोग का सिलसिला लगातार जारी रखना जरूरी है, क्योंकि प्रभावित लोगों की मुश्किलें कुछ हफ्तों या महीनों में खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सभी से नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

**मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा :** नेपाल में बाढ़ की तबाही से

मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। आपदा के एक सप्ताह बाद भी हजारों लोग लापता हैं और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा शव चितवन से 348, नवलपरासी ईस्ट से 217, नवलपरासी वेस्ट से 190 और नुवाकोट से 155 बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोरखा से 66, धादिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहूं से 38 शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनमें से 95 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए नेपाल पुलिस ने 911 अज्ञात शवों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, ताकि परिजन तस्वीरों और उपलब्ध विवरण के आधार पर अपने रिश्तेदारों की पहचान कर सकें। नेपाल पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 6,541 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, 4,858 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अभियान जारी है।

**नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं मदद :** नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने मदद का सिलसिला जारी रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बताया कि भारत का पांचवां विमान राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम मौजूद है। टीम के साथ बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले जरूरी उपकरण भी भेजे गए हैं। इसके अलावा विमान में करीब 5.5 टन आवश्यक दवाएं भी भेजी गई हैं। भारत की ओर से यह सहायता नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजी गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि पांचवां भारतीय विमान नेपाल के लिए रवाना हो चुका है और इसमें विशेष उपकरणों से लैस बचाव दल के साथ बड़ी मात्रा में जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।

**सरकार की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना :** लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि इस समय नेपाल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना, लापता लोगों का पता लगाना, बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों, चाहे वे नेपाली नागरिक हों या विदेशी, को जरूरी सहायता और सहयोग मिले। नेपाल में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत के साथ-साथ कई लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में राहत, शवों की पहचान और जोखिम वाले इलाकों में बचाव अभियान लगातार जारी है।

## ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज, गुटेरेस आएंगे; पुतिन-जिनपिंग भी कर सकते हैं शिरकत

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** भारत की मेजबानी में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि गुटेरेस के सम्मेलन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख करीब 10 दिन बाद नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे।

**गुटेरेस का भारत से पुराना जुड़ाव :** यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का इस साल भारत का यह दूसरा महत्वपूर्ण दौरा होगा। फरवरी 2026 में वह नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए थे। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन था।

**ईरान संघर्ष को लेकर भी जताई चिंता :** इससे पहले बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान गुटेरेस ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान में जारी संघर्ष के मानवीय और आर्थिक प्रभावों पर चिंता जताई। गुटेरेस ने संघर्ष का समाधान बातचीत और वार्ता के जरिए करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्ण सम्मान की बात कही, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापक और स्थायी समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शामिल होने की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाली यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

**भारत की अध्यक्षता में क्या होगा खास :** विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच के तहत आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

## प. एशिया तनाव: ईरान में शादी के जश्न पर बरसीं अमेरिकी मिसाइलें

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब अमेरिकी हवाई हमले की चपेट में यह कार्यक्रम आ गया। ईरानी अधिकारियों और सरकारी मीडिया के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित तटीय क्षेत्र में हुई। ईरानी अधिकारियों ने इसे युद्ध के दौरान नागरिकों के लिए सबसे गंभीर घटनाओं में से एक बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई को इससे पहले हुई घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। प्रवक्ता ने विशेष रूप से मिनाब में एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का उल्लेख किया, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार युद्ध के पहले दिन एक बालिका विद्यालय में 160 लोगों की जान गई थी। मिनाब की घटना को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला पुराने लक्ष्य संबंधी आंकड़ों के इस्तेमाल का नतीजा हो सकता है।

सिरिक में शादी समारोह पर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य तनाव तेज हो गया है। बुधवार को दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों में सबसे बड़ा सैन्य टकराव देखने को मिला। अमेरिका की ओर से आगे और भी अधिक व्यापक हमले किए जाने की चेतावनी दी गई है। ऐसे में शादी समारोह में हुई नागरिक मौतों ने युद्ध के मानवीय प्रभाव को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

## ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

**'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध' :** साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक

समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते।

**दुनिया के अंत पर भी बोले वेंस :** क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था।

**एआई को लेकर जताई चिंता :** वेंस ने कहा, 'दुनिया में कुछ ऐसी चीजे हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर 'एंटीक्राइस्ट' (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।' उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वे ऐसे इंसान नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का-फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं।

## ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐस समय नियुक्ति दी है, जब ऐसी चिंताएं सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा।

**जॉन फेलन के इस्तीफे से मिला मौका :** अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन

फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में स्थ्रु टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया।

**ट्रंप ने सीनेट से जल्द नियुक्ति की पुष्टि करने को कहा :** ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।' उन्होंने सीनेट से अपील करते हुए कहा कि इस योद्धा को जल्द से जल्द कन्फर्म करें। काओ ने सोशल मीडिया पर इसे नेवी और मरीन कॉर्प्स टीम के महान योद्धाओं का नेतृत्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

**अमेरिकी सेना में उथल-पुथल का दौर :** काओ का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब कुछ लोग, जिनमें कांग्रेस में डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं। मानते हैं कि ट्रंप नेवी पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं। ईरान युद्ध में मदद के लिए यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की नौ महीने की तैनाती के दौरान समुद्र में बिना रुके रहने का रिकॉर्ड बना है। साथ ही उनकी नियुक्ति ऐसे समय भी हुई है, जब अमेरिकी मिलिट्री के टॉप लेवल पर उथल-पुथल मची हुई है। हालिया उदाहरण में, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने इस हफ्ते अपना इस्तीफा सौंप दिया, जबकि उनके और डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के बीच तनाव की खबरें बड़े पैमाने पर आ रही थीं। मौजूदा भूमिका से पहले काओ नेवी अंडरसेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने उन सर्विस मेंबर्स की ड्यूटी पर वापसी का समर्थन किया था, जिन्होंने बाइडेन के समय में वैक्सीन लेने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले काओ ने यह भी कहा कि उन्हें नेवी के डेमोंस्ट्रेशन स्क्वाड्रन, ब्लू एंजल्स के जुलाई में फ्लोरिडा के भीड़भाड़ वाले बीच पर इतनी कम ऊंचाई पर उड़ने से कोई दिक्कत नहीं थी।

## पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

**काहिरा, एजेंसी।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है।

अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

**मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत :** शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

**चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी :** चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

**ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़ :** मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

## क्या है तहरीक-ए-लब्बैक: पाकिस्तान में मदरसे के लिए 125 साल पुराना मंदिर ढहाया, पंजाब में कैसे हिंदुओं को डराया

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात कैसे हैं, यह पूरी दुनिया में किसी से नहीं छिपा है। हालांकि, अब शहबाज शरीफ की सरकार के कार्यकाल में चरमपंथी ताकतें प्रतिबंधित होने के बावजूद खुलेआम न सिर्फ लोगों को डरा रही हैं, बल्कि उनके पूजास्थलों को भी ढहाने और उसकी जमीन पर कब्जा करने में जुट गई हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले का है। यहां सिराज गांव में एक चरमपंथी संगठन- तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कथित तौर पर एक 100-125 साल पुराने हिंदू पूजास्थल को ढहा दिया। कहा जा रहा है कि इस संगठन ने ऐसा मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और पास ही मौजूद एक मदरसे का दायरा बढ़ाने के लिए किया।

आइये जानते हैं कि जिस मंदिर के ढहाए जाने को लेकर इस वक्त पाकिस्तान में बवाल मचा है, वह क्या है और कहां है? इसके साथ हाल ही में ऐसा क्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान चरमपंथी संगठन और उनकी खुलेआम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए जा रहे जुर्मों की तरफ कर दिया है? यह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान क्या है, जिससे न सिर्फ अल्पसंख्यक, बल्कि पाकिस्तान की सरकार तक घबराती है? क्यों शहबाज सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद यह संगठन मजबूत बना हुआ है।

**कब ढहाया गया यह पूजा स्थल, क्यों पैदा हुआ विवाद :** इस ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को 21 अगस्त 2026 को ढहाया गया था। हालांकि, इसे ढहाए जाने के मामले ने तूल अगस्त के अंत में पकड़ा। दरअसल, इस मंदिर के ढहने की वजहों और इसकी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर दो परस्पर विरोधी दावे सामने आ गए, जिससे यह विवाद और बड़ा हो गया है।

**अल्पसंख्यक संगठन बोले- मंदिर को सोची-समझी साजिश के तहत गिराया गया :** स्थानीय हिंदू प्रतिनिधियों और अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि लगभग 100 से 125 साल पुराने इस मंदिर को जानबूझकर

और एक साजिश के तहत गिराया गया है, ताकि मंदिर की करीब 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर पास के मदरसे का कब्जा कराया जा सके। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने बताया कि मंदिर विध्वंस में चरमपंथी धार्मिक राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोग शामिल थे। वे मंदिर को गिराने के बाद उसके शिखर से धातु के उपकरण और ईंटें भी उठाकर ले गए। सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को पहले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने मदरसे के लिए पट्टे पर दिया था। किराया न चुकाने और नियमों के उल्लंघन के कारण 29 जनवरी 2026 को इस पट्टे को रद्द कर दिया गया और अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन प्रशासन ने इस आदेश को लागू नहीं किया।

नारोवाल जिला शांति समिति और 'पाक धरम आस्थान हिंदू समिति' के सदस्य और हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने घटना स्थल के आसपास के डरावने माहौल को बयां करते हुए कहा- 'मंदिर परिसर में जो मदरसा लगातार चल रहा है, उसकी उपस्थिति के कारण हम अब उस जगह पर जाने से भी डरते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद मंदिर की रक्षा करने और वहां से अवैध कब्जे हटाने में पूरी तरह विफल रहे।

**प्रशासन बोला- भारी बारिश की वजह से गिर गया मंदिर का ढांचा :** अल्पसंख्यक संगठनों के उलट ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार और जिला प्रशासन ने जानबूझकर ढांचा गिराए जाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह पुराना और जर्जर ढांचा अपने आप ढह गया। अधिकारी ने सफाई दी कि मंदिर की मूल भूमि को कभी किसी को पट्टे पर नहीं दिया गया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान का प्रतिबंधित चरमपंथी, कट्टरपंथी और अति-दक्षिणपंथी इस्लामी राजनीतिक संगठन है। इसी संगठन पर नारोवाल जिले में एक 100 साल से भी पुराने ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को ढहाने का आरोप लगा है।

## संपादकीय

# प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई

2001–20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा– समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है। बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर "बिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडिया" के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा– समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है।

अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार एवं विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। 'राष्ट्रीय चैंपियनझ् (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यतः नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई।

2020 आते–आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010–11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है। यह स्थिति बताती है कि क्यों भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र वृद्धि दर हासिल करने के बावजूद आम जन की बुनियादी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

# शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्त्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्ल की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

# जन्माष्टमी का संदेशः उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

कांतिलाल मांडोत

**श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।**

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

# महाविद्यालय में भाषा उत्सव साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** डॉ. पी. दत्त ब .हि. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में अखिल भारतीय शिक्षा समागम ABBS 2026" के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में भाषा उत्सव सम्बन्धी साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन यशस्वी प्राचार्य प्रो डीएस नेगी के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न किया गया, जिसका शुभारंभ मां शारदा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण से हुआ । तत्पश्चात संस्कृत विभाग के छात्र– छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय भाषाओं, बोलियों और उनमें विद्यमान साहित्यिक परंपराओं के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना है ।

भाषाओं के संवर्धन एवं परिमार्जन के लिये महर्षि वेद व्यास जी के द्वारा चारों वेदों का वर्णन , महर्षि पाणिनी जी के द्वारा भगवान महादेव जी की तपस्या करते हुए चतुर्दश माहेश्वर सूत्रों के माध्यम से अष्टाध्यायी व्याकरण का वृत्तांत तथा महाभाष्यकार पतञ्जलि का 1700 सूत्रों का संक्षिप्त वर्णन तत्पश्चात कविकुलगुरु कालिदास के जीवन की घटनाओं को वर्णित करते हुए एक लघु नाटिका को` कुशलतापूर्वक मंचन किया गया, जिसमें नवीन बिष्ट द्वारा महर्षि वेद व्यास, महर्षि पाणिनी एवं महाकवि कालिदास को अपने कुशल अभिनय द्वारा जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में हिंदी विभाग के छात्र– छात्राओं द्वारा भाषा उत्सव कार्यक्रम में ठडिया, चौपला, झुमैलो , तांदी , चांचड़ी, भोजपुरी, अवधी, जौनसारी इत्यादि भाषाओं पर लोकगीतों एवं वृत्तांतो के माध्यम से प्रस्तुति दी गयी। इसी क्रम में शिक्षा शास्त्र के छात्र छात्राओं ने उक्त लोक गीतों में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया साथ ही ओमप्रकाश ने भी एक लोक गीत प्रस्तुत किया। संगीत विभाग प्रभारी प्रो मनीष डंगवाल तथा सहायक श्री पुष्कर के विशेष योगदान तथा छात्रों आभास एवं हिमांशु ने वाद्य यंत्रों के कुशल प्रयोग से वातावरण संगीतमय कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिव्यांशी, मनीषा, सोनिया, बबीता, आस्था, उर्वशी ,चांदनी, रोशनी, हिमांशी, प्रियांशी, हिमांशु ,खुशी इत्यादि छात्र छात्राओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस



अवसर पर डॉ सुशील बहुगुणा , डॉ प्रताप बिष्ट, डॉ आशाराम बिजल्बाण, डॉ चंद्रप्रभा कंडवाल, डॉ संदीप कुमार, डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ मीनाक्षी, डॉ रजनी बाला, डॉ ऐश्वर्या राणा, डॉ शशि बाला उनियाल, डॉ बिशन सिंह, डॉ संदीप किमोठी, डॉ हीरा सिंह, डॉ दयाकिशन जोशी, डॉ रश्मि बहुखंडी इत्यादि समस्त प्राध्यापक तथा छात्र संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो अरविंद अवस्थी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ मनीषा सिंह, डॉ गीता, डॉ प्रियम अग्रवाले, हिंदी विभाग की डॉ मीरा, डॉ विजय लक्ष्मी, डॉ प्रियंका भट्ट के साथ साथ संस्कृत विभाग के प्राध्यापक,कार्यक्रम के संचालक डॉ मनोरथ प्रसाद नौगाई जी के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जिनके अथक प्रयासों से कार्यक्रम का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

## भगवान श्रीकृष्ण मानवता के सच्चे संरक्षक, मार्गदर्शक और जीवन-दर्शन के प्रेरणास्रोत

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण मानवता के सच्चे संरक्षक, मार्गदर्शक और जीवन-दर्शन के प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन हमें प्रेम, त्याग, सेवा, करुणा, सद्भाव और समरसता के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता तथा उनके कल्याण का भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया निष्काम कर्म का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने गीता के माध्यम से मानव मात्र को अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने तथा फल की चिंता किए बिना कर्म करते रहने का मार्ग दिखाया। गीता में निहित भक्ति, ज्ञान, योग और कर्म का संदेश जीवन में सकारात्मकता, आत्मविश्वास और संतुलन प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से भगवान श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेम, भाईचारे व समरसता की भावना को बढ़ावा देकर प्रदेश के विकास मे भागीदार बनने का भी आह्वान किया है।

# चम्पावत में होगी ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक की स्थापना

### रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रस्ताव पर उचित विचार का दिया आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : चम्पावत जनपद में पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को बेहतर और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर चम्पावत में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर उचित विचार किए जाने की जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव पर उचित विचार किए जाने का आश्वासन मिलने से अब चम्पावत में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक की स्थापना की दिशा में आगे की कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है।

इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पूर्व में चम्पावत में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक स्थापित किए जाने का अनुरोध किया गया था। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस मामले की जांच कराई गई है। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के केंद्रीय संगठन को चम्पावत, उत्तराखंड में भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 'टाइप डी' पॉलीक्लिनिक की स्थापना का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इस प्रस्ताव पर उचित विचार किया जाएगा। चम्पावत सहित सीमांत क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और उनके परिवार निवास करते हैं। ऐसे में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक की स्थापना होने पर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों की ओर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। प्रस्ताव पर रक्षा मंत्रालय की ओर से सकारात्मक रुख सामने आने से क्षेत्र के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री ने चम्पावत के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह विषय केंद्र सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखा था।

## मोरी क्षेत्र में कमजोर नेटवर्क से ग्रामीण परेशान

पुरोला। विकासखंड मोरी के दूरस्थ क्षेत्रों में बीएसएनएल मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति ग्रामीणों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है। कई पुराने टावरों की रेंज और क्षमता कम होने और नए लगाए गए टावरों के अब तक संचालित नहीं होने से क्षेत्र में संचार व्यवस्था प्रभावित है। ग्रामीणों को मोबाइल नेटवर्क के अभाव में जरूरी फोन कॉल करने के साथ ही ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग और अन्य इंटरनेट आधारित सेवाओं का लाभ लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर भाजपा के मनमोहन सिंह चौहान ने बीएसएनएल उत्तराखंड के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में नेटवर्क व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। उन्होंने महाप्रबंधक से जनहित को देखते हुए मोरी क्षेत्र में लगाए गए नए टावरों को जल्द संचालित कराने और पुराने टावरों की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी सुधार कराने का अनुरोध किया।

# सरकारी वाहन में शराब ले जाने का वीडियो वायरल

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** सरकारी वाहन में शराब ले जाने से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। वीडियो को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताते हुए प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। गुरुवार को कांग्रेस प्रदेश सचिव विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उमेश चंद्र पांथरी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर वायरल वीडियो की जांच कराने की मांग की। विजय रावत ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देवी रोड स्थित एक शराब की दुकान से दो व्यक्तियों को शराब लेकर एक सरकारी वाहन में बैठते हुए दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वीडियो में दिखाया गया वाहन सरकारी है तो इस मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित वाहन के अभिलेख और इलेक्ट्रॉनिक लोकेशन का डाटा सुरक्षित रखने तथा वीडियो की सत्यता की जांच कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी वाहन या सरकारी संसाधनों का निजी कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाना गंभीर विषय है। इसलिए जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, गुड्डू सिंह चौहान, कृपाल सिंह, शुभम सुयाल, अंकुश घिल्डियाल, बृजपाल सिंह नेगी, मानशेर सिंह सैनी और राजीव कपूर शामिल रहे। इधर, उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से भी मामले की जांच की मांग की गई। उक्रांद के रोहित डंडरियाल, नरेश धस्माना और जयदीप रौतेला ने अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर को ज्ञापन सौंपकर वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच कराने की मांग की।



कोटद्वार में तहसील के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उमेश पांथरी को ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

## संक्षिप्त समाचार

## उत्तरकाशी: जमीन पर दम तोड़ती जिंदगियां

उत्तरकाशी , जनपद के जिला और महिला सहित अन्य अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार दम तोड़ती नजर आ रही है। विभाग के आंकड़ों की माने तो पांच माह में जिले में 16 शिशु मृत्यु दर दर्ज की गई है। साथ ही दो महिलाओं की प्रसव के दौरान मौत हुई है। ये वे आंकड़े हैं जो कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इसके अलावा जनपद के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में होने वाले घरेलू प्रसव के दौरान कई महिलाएं और नवजात शिशुओं की कई जानकारियां गांव तक ही सीमित रह जाती है।

उत्तरकाशी जनपद की बात करें तो जिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ और महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं है। दूसरी ओर जिले की यमुना घाटी में वर्षों से बाल और महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण प्रसव के दौरान महिलाएं और नवजात उचित स्वास्थ्य व्यवस्था न मिलने के कारण दम तोड़ रहे हैं।

विभाग के आंकड़ों की बात करें तो पूरे जनपद में अप्रैल से अगस्त तक 16 बच्चे विभिन्न कारणों से अपनी जान गंवा चुके हैं तो नौगांव व पुरोला में एक–एक महिलाएं प्रसव के दौरान दम तोड़ चुकी हैं। इन आंकड़ों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीएम प्रशांत आर्य की ओर से ली गई समीक्षा बैठक में प्रस्तुत किया गया है।

**बड़ा सवाल**

इसके अलावा इन पांच माह में करीब 10 से 12 नवजात जिले के अस्पतालों से रेफर होने के कारण रास्ते में और हायर सेंटर के अस्पतालों में दम तोड़ चुके हैं। यह आंकड़े प्रदेश की सुदूरवर्ती क्षेत्रों में गर्भवती और नवजात शिशुओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

बैठक में विभागीय अधिकारियों की ओर से दावा किया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धौंतरी में प्रसव केंद्र का निर्माण किया जा रहा है लेकिन पूर्व में भटवाड़ी और डुंडा, ब्रहमखाल जैसे अस्पतालों में बनाए गए प्रसव केंद्र की स्थिति नहीं सुधर पाई है।

वहां पर भी दो बेड लगाने के अलावा कोई सुविधाएं नहीं दी गई है। सीएमओ डॉ. श्याम विजय का कहना है कि विभाग और प्रशासन की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि शिशु और मातृ मृत्यु दर को रोकने के लिए उचित व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाए। साथ ही उन कारणों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है कि जिससे प्रसव के दौरान अधिक मौतें होती हैं।

# हिमनद झीलों पर अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की मिली अनुमति

राज्य सरकार ने सीबीआरआई को वसुंधरा समेत अन्य संवेदनशील हिमनद झीलों पर अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने की अनुमति दे दी है। इसी महीने वसुंधरा झील पर अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने के लिए दल भेजा जाएगा।

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) ने हिमनद झीलों के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम तैयार कर लिया है। राज्य सरकार ने संस्थान को इसका परीक्षण करने की अनुमति दे दी है। इसकी शुरुआत वसुंधरा झील से होगी। इसी माह सीबीआरआई का दल इस सिस्टम को लगाने के लिए जाएगा। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बताया कि सीबीआरआई की टीम इसी महीने उपकरण लगाएगी। अगले वर्ष अप्रैल व मई में अन्य झीलों पर इन्हें लगाया जाएगा।

तब तक वसुंधरा झील पर लगे सिस्टम की सूचनाओं के बारे में भी जानकारी मिल जाएगी। राज्य में 13 संवेदनशील हिमनद झीलें हैं, सभी में इन्हें लगाया जाएगा। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन बताते हैं कि सीबीआरआई के अलावा सी–डैक संस्था के माध्यम से भी अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाया जाएगा।

## शुद्धीकरण मामले पर कांग्रेस समर्थित पार्षदों ने जताया विरोध

अल्मोड़ा। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद किए गए कथित शुद्धीकरण को लेकर नगर निगम के कांग्रेस समर्थित पार्षदों ने बुधवार को विरोध जताया। पत्रकारों से बातचीत में पार्षदों ने इसे शर्मनाक कृत्य बताते हुए कहा कि इस घटना ने देश और उत्तराखंड को शर्मसार किया है। पार्षद दीपक कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कुछ लोगों के प्राथमिकी दर्ज कराने पहुंचने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की जबकि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या जब कथित शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने पहुंचे तो उन्हें दो से तीन घंटे तक रोका गया। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा में भी कांग्रेस नेताओं को प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए करीब तीन घंटे इंतजार करना पड़ा। पार्षदों ने इसे कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान बताया। उन्होंने अल्मोड़ा सांसद अजय टम्टा के उस कथित बयान पर भी नाराजगी जताई,

# बारिश से गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे बाधित

उत्तरकाशी/बड़कोट। गत मध्यरात्रि हुई भारी बारिश के चलते गंगोत्री और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा और पत्थर आने से यातायात प्रभावित रहा। गंगोत्री हाईवे पर ओपन टनल के समीप मलबा गिरने से करीब डेढ़ घंटे तक आवाजाही बाधित रही। सूचना मिलने पर बीआरओ की टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाया और मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया। इस दौरान गंगोत्री जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर रानाचट्टी और अन्य स्थानों पर मलबा व पत्थर आने से हाईवे करीब चार घंटे तक बंद रहा। मार्ग बंद होने की सूचना मिलते ही एनएच की टीम तड़के मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद सुबह ही मार्ग को खोल दिया गया। हालांकि, हाईवे खुलने के बाद भी फूलचट्टी क्षेत्र में भू–धंसाव के कारण सफर जोखिम भरा बना हुआ है। बारिश के दौरान यहां स्थिति और संवेदनशील हो जाती है। ऐसे में वाहन चालकों को सावधानी बरतते हुए आवाजाही करनी पड़ रही है। बुधवार रात हुई भारी बारिश के दौरान रानाचट्टी के पास भूस्खलन से 11 केवी विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसके चलते यमुनोत्री धाम समेत गीठ पट्टी के 12 गांवों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। बिजली आपूर्ति बाधित होने से स्थानीय ग्रामीणों, व्यापारियों और यमुनोत्री धाम में मौजूद श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

# बडासु पट्टी के चार गांवों में वायरल का प्रकोप

पुरोला। विकासखंड मोरी की सुदूरवर्ती बडासु पट्टी के गंगाड़, ढाटमीर, पंवाणी और ओसला गांवों में वायरल के मामले बढ़ने से ग्रामीणों में चिंता है। क्षेत्र में नियमित स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकीय जांच की व्यवस्था सीमित होने के कारण ग्रामीणों को सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोरी जाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में वायरल के साथ हाथ–पैरों में जलन की शिकायत सामने आ रही है। हालांकि अधिकांश मरीजों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। ढाटमीर निवासी राजपाल रावत, सैन सिंह व प्रताप सिंह और गंगाड़ निवासी रमेश चौहान ने बताया कि चार दिन पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र में शिविर लगाकर मरीजों की जांच की थी और आवश्यक दवाइयां वितरित की थी।

ग्रामीणों का कहना है कि सांकरी से बडासु पट्टी तक निर्माणाधीन सड़क की स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हुई है लेकिन समय पर चिकित्सकीय जांच और दवाइयों की नियमित उपलब्धता नहीं होने से परेशानी बनी हुई है। खासकर बुजुर्गों और महिलाओं को छोटी बीमारी के उपचार के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

# छात्र भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाएं

### आर्मी पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई बांसुरी और मटकी सजवाट प्रतियोगिता

**जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन :** आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में गुरूवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, आदर्शों एवं भारतीय संस्कृति से परिचित कराना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा।

कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण एवं राधा के मनमोहक रूप में सजकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की आकर्षक वेशभूषा ने सभी का मन मोह लिया और विद्यालय परिसर में उत्सव का वातावरण बना दिया। कक्षा छः से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर सदनीय बांसुरी एवं मटकी सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।



विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करते हुए सुंदर एवं आकर्षक बांसुरियों और मटकियों को सजाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, कर्तव्य, धैर्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। हमें अपने जीवन में श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने का प्रयास करना चाहिए।

# नीति निर्माण में शोध, नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें : मुख्यमंत्री

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में उत्तर-खण्ड स्टेट सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एण्ड गुड गवर्नेंस की शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण में शोध, नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए। शोध एवं अध्ययन के निष्कर्षों का उपयोग राज्य की नीतियों और योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में किया जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य की उपलब्धियों और विभिन्न क्षेत्रों में किये गये उल्लेखनीय कार्यों पर आधारित केस स्टडी तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद स्तर पर अधिकारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए उत्तराखण्ड की विशिष्ट परिस्थितियों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य किया जाए। नीति निर्माण और भविष्य की कार्ययोजनाओं में डेटा एवं शोध आधारित दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रतिवर्ष 10 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को कैपस्टोन परियोजना के लिए स्टाइपेंड प्रदान किये जाने पर सहमति दी गई। इसके माध्यम से राज्य की प्राथमिकता वाले विषयों पर शोध एवं परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। शासी निकाय के सदस्यों ने मृदा को भी प्रमुख फोकस एरिया में रखने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र की मजबूती पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। योजनाओं एवं नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ब्लॉक स्तर तक के अधिकारियों के प्रशिक्षण और उन्हें प्रेरित करने पर जोर दिया गया। राज्य की उपलब्धियों को ओरिएंटेशन कार्यक्रमों का हिस्सा बनाने तथा प्रदेश के विश्वविद्यालयों को राज्य की प्रगति, संभावनाओं और विकास से जुड़े विषयों पर शोध एवं अध्ययन के लिए सक्रिय रूप से जोड़ने का सुझाव दिया गया। बैठक में विकसित उत्तराखण्ड-2047 की दिशा में राज्य की भावी विकास रणनीति पर भी चर्चा की गई। आर्थिक विकास एवं रोजगार, मानव संसाधन एवं कल्याण, वन, जैव विविधता एवं जलवायु अनुकूलन, अवस्थापना विकास, स्थानीय स्वशासन एवं क्षेत्रीय विकास तथा तकनीक आधारित सुशासन जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया। बैठक में विधायक उमेश शर्मा 'काऊं, विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु एवं आर. मीनाक्षी सुन्दरम, पूर्व मुख्य सचिव एन. रविशंकर, पंतनगर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.एस. कश्यप, एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) मीनू सिंह, ई-ग्रो फाउंडेशन के सीईओ डॉ. चरण सिंह, आईआईटी रुड़की के प्रो. (डॉ.) आशीष पाण्डे, दून विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) आर.पी. ममगाई, आईआईएम काशीपुर के प्रोफेसर डॉ. अतुल गुहा, उत्तराखण्ड स्टेट चैप्टर फिक्की की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, अपर सचिव नरेन्द्र भंडारी और एसीईओ सीपीपीजीजी मनोज पंत उपस्थित थे।



**जयन्त**

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

सीपीएल 2026

## क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

**सेंट किट्स।** वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

## सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

**दुबई।** पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

# ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

**यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया**

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)।** टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

### फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

## कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

**न्यूयॉर्क।** कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, और 6-1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी

## तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

**बेंगलुरु।** दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

## पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

**दुबई।** पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

## एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

**आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

### इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

### महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

### सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसो कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

## हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीजः अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

**अहमदाबाद(एजेंसी)।** भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

## इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

**कोलंबो।** श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

### शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

**सेंट किट्स।** वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।